बच्चों को अनुशासित करने का महत्व

बालक को उसी मार्ग की शिक्षा दे जिस पर उसे चलना चाहिए: और जब वह बूढ़ा हो जाए, तो उस से न हटेगा। नीतिवचन 22:6

माँ बाप के लिए

देखो, बच्चे यहोवा के निज भाग हैं: और गर्भ का फल उसका प्रतिफल है। भजन संहिता 127:3

जो अपनी लाठी को बख्शता है, वह अपने पुत्र से बैर रखता है, परन्तु जो उस से प्रीति रखता है, वह बार-बार उसे ताड़ना देता है। नीतिवचन 13:24
यहोवा के भय मानने में दृढ़ विश्वास है: और उसके बच्चों के पास शरण का स्थान होगा। नीतिवचन 14:26
जब तक आशा है तब तक अपके पुत्र को ताड़ना दे, और उसके रोने के लिथे तेरा प्राण न छूटे। नीतिवचन 19:18
बच्चे के मन में मूढ़ता बंधी होती है। परन्तु सुधार की छड़ी उसे उस से दूर कर देगी। नीतिवचन 22:15
बालक की ताड़ना न छोड़ना; क्योंकि यदि तू उसे छड़ी से मारे, तो वह न मरेगा। तू उसे डंडे से पीटेगा, और उसके प्राण को नरक से छुड़ाएगा। नीतिवचन 23:13-14
लाठी और डांट से बुद्धि मिलती है, परन्तु जो बालक अपके पास रह जाता है, वह अपनी माता को लज्जित करता है। नीतिवचन 29:15
अपने पुत्र को ठीक कर, और वह तुझे विश्राम देगा; हां, वह तेरे प्राण को प्रसन्न करेगा । नीतिवचन 29:17

और तेरे सब लड़केबालोंको यहोवा की शिक्षा दी जाएगी; और तेरी सन्तान को बड़ी शान्ति मिले। यशायाह 54:13

बच्चों के लिए

अपके पिता और अपनी माता का आदर करना, जिस से जो देश तेरा परमेश्वर यहोवा तुझे देता है उस में तेरी आयु लंबी हो। निर्गमन 20:12

हे मेरे पुत्र, यहोवा की ताड़ना को तुच्छ न जान; उसकी ताड़ना से न घबराना: जिस से यहोवा प्रेम रखता है उसको वह सुधारता है; यहाँ तक कि एक पिता के रूप में वह पुत्र जिससे वह प्रसन्न होता है। नीतिवचन 3:11-12

सुलैमान की कहावतें। बुद्धिमान पुत्र से पिता प्रसन्न होता है, परन्तु मूर्ख पुत्र अपनी माता का भारीपन होता है।
नीतिवचन 10:1

अपके पिता जो तुझे उत्पन्न करता है, उसकी सुन, और जब तेरी माता बूढ़ी हो, तब उसे तुच्छ न जाने। नीतिवचन 23:22

हे बच्चों, प्रभु में अपने माता-पिता की आज्ञा मानो: क्योंकि यह सही है। अपने पिता और माता का आदर करना; जो वचन के साथ पहली आज्ञा है; कि तेरा भला हो, और तू पृथ्वी पर बहुत दिन जीवित रहे। इफिसियों 6:1-3

अपने पिता का अपने पूरे दिल से सम्मान करो, और अपनी माँ के दुखों को मत भूलना। स्मरण रहे कि तू उन्हीं से उत्पन्न हुआ है; और जो काम उन्होंने तेरे लिथे किए हैं, उनका बदला तू उन्हें कैसे दे सकता है? सभोपदेशक 7:27-28

अगर हम अपने बच्चों को अनुशासित करेंगे, तो वे अभी रोएंगे लेकिन भविष्य में आनंद लेंगे। अगर हम अपने बच्चों को अनुशासित नहीं करेंगे, तो वे अभी आनंद लेंगे लेकिन भविष्य में रोएंगे।

बच्चे हमारे देश का भविष्य हैं। लेकिन अगर वे अनुशासन के बिना बूढ़े हो जाएंगे, तो हमारे देश का भविष्य क्या होगा?

एक वयस्क की सभी बुरी आदतें वे होती हैं जिन्हें ठीक नहीं किया गया था या अनुशासित नहीं किया गया था जब वह सिर्फ एक बच्चा था। हमें ऐसे बच्चों की परवरिश करनी है जो भगवान से डरते हैं।

मैंने जीवित मिट्टी का एक टुकड़ा लिया
और धीरे से इसे दिन-ब-दिन बनाते गए
मैं फिर आया जब साल गए थे
यह एक ऐसा आदमी था जिसे मैंने देखा था
उन्होंने अभी भी उस शुरुआती प्रभाव को पहना था
और मैं उसे अब और नहीं बदल सकता था